व्यापार समझौतों से निर्यात को मिलेगा विस्तार

2026 में सीमा शुल्क, बैंकिंग और इंश्योरेंस सेक्टर में बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 12 दिसंबर. वर्ष 2025 भारत की आर्थिक यात्रा में बदलाव का प्रतीक बनकर उभरा. इस वर्ष किए गए सुधारों ने न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त आधार दिया बल्कि 2026 के लिए नई दिशा भी तैयार की. इनकम टैक्स ढांचे में बदलाव, जीएसटी व्यवस्था की सरलता और लेबर कोड के लागू होने की तैयारी जैसे कदमों ने सुधारों की एक ठोस नींव रखी. लेबर कोड अप्रैल 2026 से लागू होगा और इसके वास्तविक प्रभाव नए वर्ष में दिखाई देंगे.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी बजट में सीमा शुल्क सुधारों की झलक देने के संकेत दिए हैं. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, सरकार विकसित देशों के मॉडल को अपनाते हुए मैन्युफैक्चरिंग और सामाजिक सेक्टर में कई नई स्कीमें लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है. खासकर उन कच्चे माल के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन पर जोर रहेगा जिन पर भारत आयात-निर्भर है. सरकार जन विश्वास बिल का नया संस्करण लाकर कारोबार और नागरिकों से जुड़े प्रक्रियाओं को और सरल बनाने जा रही है. इसके साथ ही, वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को बैंकिंग लाइसेंस देने की संभावना है. सरकार आने वाले वर्ष में कई बैंकों के विलय को भी मंजूरी दे सकती है ताकि भारत के पास वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बैंक तैयार हों. इंश्योरेंस सेक्टर भी बड़े बदलावों की दहलीज पर है. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को 74% से बढ़ाकर 100त्न करने की घोषणा तो पहले ही हो चुकी है, लेकिन कानून में आवश्यक संशोधन 2026 में होकर सेक्टर में संरचनात्मक परिवर्तन ला सकते हैं.

> वर्ष 2026 भारतीय निर्यात के लिए भी मील का पत्थर बनने जा रहा है. ब्रिटेन के साथ एफटीए लागू होने वाला है, जबकि ओमान, यूरोपीय यूनियन और न्यूजीलैंड के साथ समझौते भी अगले वर्ष प्रभावी हो सकते हैं. अमेरिका के साथ पहले चरण के व्यापार करार की संभावनाएँ भी मजबूत हैं. इन समझौतों से विकसित देशों में भारतीय निर्यात को कम शुल्क का लाभ मिलेगा और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ेगी. कुल मिलाकर, 2025 सुधारों का वर्ष था और 2026 इन सुधारों को रफ्तार देने का. सरकार का व्यापक लक्ष्य स्पष्ट है—भारत को 2047 तक विकसित और मजबूत आर्थिक शक्ति बनाना.

सरकार ने दी कोयले का निर्यात करने की मंजूरी

नयी दिल्ली, 12 दिसंबर. सरकार ने कोयला क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की श्रृंखला में एक और कड़ी जोड़ते हुए आज इसके निर्यात को मंजूरी दे दी.

केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने कोयले के निर्बाध, कुशल और पारदर्शी उपयोग हेतु नीलामी नीति को मंजूरी दे दी है. इसके तहत कोल सेतु विंडो नामक एक नयी विंडो बनाई गई है, जिससे कोयले का उपयोग किसी भी औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए किया जा सकेगा. यह नयी नीति सरकार द्वारा कोयला क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों की श्रृंखला में एक और कड़ी जोड़ती है. उन्होंने कहा कि औद्योगिक उपयोग और निर्यात के लिए दीर्घकालिक आधार पर नीलामी हेतु कोयला लिंकेज का आवंटन किया जाएगा. इसके लिए 2016 की गैर-विनियमित क्षेत्र लिंकेज नीलामी नीति में कोल सेतु नामक एक अलग विंडो जोड़ी गयी है जिसमें कोयले की आवश्यकता वाले कोई भी घरेलू खरीदार लिंकेज नीलामी में भाग ले सकते हैं.

मेदांता गुरुग्राम ने शुरू की किडनी के लिए उपचार व्यवस्था

जबलपुर, 11 दिसम्बर. बीते 6 वर्षों से लगातार न्यूजवीक द्वारा भारत का सर्वश्रेष्ठ निजी अस्पताल चुने जा रहे, गुरुग्राम-स्थित मेदांता-द मेडिसिटी अब जबलपुर के लोगों के लिए किडनी रोगों और किडनी ट्रांसप्लांट से जुड़ी बेहतरीन व उन्नत विशेषज्ञता जबलपुर लेकर आ रहा है. यह कदम उन मरीजों के लिए राहत लेकर आया है, जो अब तक किडनी की जटिल बीमारिओं के इलाज के लिए बड़े शहरों मे जाने को मजबूर होते थे.

> मेदांता का किडनी ट्रांसप्लांट कार्यक्रम अपने सफल परिणामों और जटिल मामलों के इलाज के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रूप से जाना जाता है

मेदांता गुरुग्राम के सीनियर डायरेक्टर और नेफ्रोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ. देबब्रत मुखर्जी के नेतृत्व में जबलपुर में हर माह ओपीडी होगी, जिसमें जटिल किडनी रोगों के लिए सतीक सलाह और विशेषज्ञ इलाज उपलब्ध कराया जाएगा. मेदांता का किडनी ट्रांसप्लांट कार्यक्रम अपने सफल परिणामों और जटिल मामलों के इलाज के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रूप से जाना जाता है. यहां एबीओ कंपैटिबल और एबीओ इनकंपैटिबल ट्रांसप्लांट, जीवित व मृत दाताओं से ट्रांसप्लांट, कई अंगों का ट्रांसप्लांट और अधिक संवेदनशील मरीजों का विशेष इलाज किया जाता है.

विभाग में क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी, किडनी बायोप्सी, एवी फिस्टुला सर्जरी, डायलिसिस कैथेटर लगाना और एडवांस्ड डायलिसिस सेवाओं की पूरी व्यवस्था एक साथ उपलब्ध है. इस पहल का उद्देश्य उच्चस्तरीय जांच और इलाज को मरीजों तक उनके ही शहर में पहुंचाना है.

सटीक इलाज और निरंतर देखभाल एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी

डॉ. देबब्रत मुखर्जी ने कहा कि नई ओपीडी सेवाओं से जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को किडनी रोगों के लिए समय पर विशेषज्ञ परामर्श और सुरक्षित, आधुनिक इलाज घर के नजदीक ही मिल जाएगा. उन्होंने कहा, जबलपुर में नेफ्रोलॉजी ओपीडी की शुरुआत का उद्देश्य उन्नत किडनी देखभाल को बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय उसे जरूरतमंदों के पास तक आसानी से पहुंचाना है. मरीजों को अब विशेषज्ञता आधारित जांच, सटीक इलाज और निरंतर देखभाल एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी. हमारा प्रयास है कि वैज्ञानिक इलाज को जरूरी करुणा और सटीकता के साथ लोगों तक पहुंचाया जाए.

श्रेष्ठ विश्वविद्यालय ही किसी देश को श्रेष्ठ बनाते हैं : मुकेश अंबानी

गाँधीनगर, 12 दिसंबर देश के सबसे अमीर उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों के योगदान को रेखांकित करते हुए गुरुवार को कहा कि जिन देशों के विश्वविद्यालय श्रेष्ठ स्तर के होते हैं वही देश दुनिया का नेतृत्व करते हैं.

श्री अंबानी यहां पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे. वह इसके संचालन मंडल के अध्यक्ष हैं. जानेमाने उद्योगपति और टॉरेंट के प्रमुख सुधीर मेहता समारोह के मुख्य अतिथि थे.

रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख ने अमेरिका, उससे पहले यूरोप और जापान तथा अब चीन का उदाहरण देते हुए कहा, जो देश विज्ञान और तकनीक में मजबूत होते हैं, वही आर्थिक महाशक्ति बनते हैं और दुनिया में वही राष्ट्र नेतृत्व करते हैं जिनके विश्वविद्यालय विश्वस्तर पर श्रेष्ठ होते हैं. श्री अंबानी ने कहा, अब बारी भारत की है - और हमें सभी से बेहतर करना है.

महेंद्रगढ़ सीयूएच में एनबीसीसी का बड़ा अवसंरचनात्मक प्रोजेक्ट

> 196.98 करोड़ की परियोजना से बदलेगा सीयूएच का कैंपस चेहरा
>
> एनबीसीसी ने शुरू किया सीयूएच में आधुनिक भवन निर्माण कार्य

गुरूग्राम, 12 दिसंबर. एनबीसीसी लिमिटेड ने हरियाणा केंद्रीय विश्व विद्यालय, महेंद्रगढ़ में अवसंरचनात्मक सुविधाओं के विकास और संबंधित कार्यों के लिए भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया. 196.98 करोड़ मूल्य की यह परियोजना एनबीसीसी को डिजाइन, इंजीनियरी, अधिप्राप्ति और निर्माण के आधार पर सौंपी गई है.

समारोह में प्रो. टंकेश्वर कुमार, माननीय कुलपति, सीयूएच; प्रो. पवन कुमार शर्मा, सम कुलपति; डॉ. सुनील कुमार, कुल सचिव; श्री के.पी. महादेवास्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी; श्री राजीव कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, एनबीसीसी; विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण एनबीसीसी के पदाधिकारी उपस्थित रहे. परियोजना सिंहावलोकन विकास योजना में कुल 41,339 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्रफल वाले छह प्रमुख भवनों का निर्माण शामिल है. ये सुविधाएँ विश्वविद्यालय की शैक्षिक, शोध आवासीय क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई हैं. परियोजना के प्रमुख घटक स्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ब्लॉक- स्मार्ट कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, संकाय कक्ष शैक्षिक सहयोगात्मक स्थान. व्याख्यान कक्ष परिसर- मौजूदा शैक्षिक ब्लॉक-1 के पीछे स्थित 16 आधुनिक व्याख्यान कक्षों का समूह.

सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर

उन्नत शोध उपकरणों और विश्लेषणात्मक कार्य के लिए समर्पित सुविधा .कंप्यूटर सेंटर बिल्डिंग- शैक्षिक कंप्यूटिंग और ई-गवर्नेंस सेवाओं के लिए केंद्रीकृत आईटी हब. लड़कियों का छात्रावास (630 क्षमता) आधुनिक सुविधाओं के साथ सुरक्षित और अच्छी तरह से सुसज्जित आवासीय ब्लॉक. संधारणीय विशेषताएं परियोजना में सौर ऊर्जा प्रणालियों और हरित निर्माण पद्धतियों को शामिल किया गया है. इससे ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय संधारणीयता के लिए न्यूनतम गृह (जीआरआईएचए) 3 - स्टार रेटिंग प्राप्त करने का लक्ष्य है. नवीन अवसंरचना विश्वविद्यालय के शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ करेगी और उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उसके मिशन को समर्थन प्रदान करेगी.

अहमदाबाद से 150 से अधिक ट्रेनों का होगा संचालन

अहमदाबाद, 12 दिसंबर. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के वटवा में लगभग 3 किमी का एक मेगा कोचिंग टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा, जिसके माध्यम से अहमदाबाद स्टेशन पर ट्रेनों का अत्यधिक लोड काफी हद तक कम होगा और पूरे क्षेत्र में ट्रेन संचालन क्षमता में बड़ी वृद्धि होगी.

यह परियोजना मंडल की 2.5 गुना ट्रेन हैंडलिंग क्षमता बढ़ाने की योजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बेहतर यात्री सुविधा, निर्बाध संचालन तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक रेलवे ढांचा तैयार करना है. वटवा टर्मिनल की मुख्य संरचना और आधुनिक सुविधाएँ वटवा का यह मेगा टर्मिनल लगभग 3 किमी लंबा होगा, जिसकी चौड़ाई एलसी - 305 पर 76 मीटर, आरओबी 713 (एसपी रिंग रोड) पर 300 मीटर तथा खारी ब्रिज नं. 711 पर 118 मीटर रहेगी. टर्मिनल में कुल 12 पिट लाइनें बनाई जा रही हैं, जिनसे ट्रेनों का गहन व नियमित मेंटेनेंस आसानी से संभव होगा. 29 स्टेबलिंग लाइनें उपलब्ध कराई जाएँगी, जिनमें खाली रेक सुरक्षित खड़े किए जा सकेंगे.

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही

मुंबई, 12 दिसंबर. घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 449.53 अंक (0.53) प्रतिशत की बढ़त में 85,267 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 148.40 अंक यानी 0.57 प्रतिशत चढ़कर 26,046.95 अंक पर पहुंच गया. मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने विश्वास दिखाया. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.09 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.94 फीसदी चढ़ा. एफएमसीजी और मीडिया समूहों में बिकवाली का जोर रहा. सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर तीन प्रतिशत से अधिक चढ़ा.

सोना चढ़ा, चांदी नई ऊंचाई पर पहुँची

1.34 लाख के पार पहुंचा सोना

02 लाख के करीब पहुंची चांदी

नई दिल्ली, 11 दिसंबर 22, 23 और 18 कैरेट गोल्ड के भाव में भी तेजी जारी है, जबकि 14 कैरेट गोल्ड में मामूली गिरावट देखी गई. विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं में मजबूती, जियोपॉलिटिकल तनाव और सुरक्षित निवेश की मांग ने दामों को ऊपर धकेला है.

सर्राफा बाजारों में आज सोना और चांदी दोनों कीमती धातुओं ने जबरदस्त तेजी दिखाई. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी ताजा दरों के मुताबिक, आज चांदी ने नया ऑल-टाइम हाई छू लिया. गुरुवार को जहां चांदी 1,88,281 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी, वहीं आज यह 4,500 रुपये चढ़कर 1,92,781 रुपये प्रति किलो पर खुली. जीएसटी शामिल होने पर यह 1,98,564 रुपये प्रति किलो तक पहुँच गई, जो निवेशकों के लिए बड़ा संकेत है कि चांदी 2 लाख के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करने ही वाली है. सोने की कीमतों में भी तगड़ी तेजी बनी हुई है. गुरुवार को 24 कैरेट सोना 1,28,596 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जबकि आज यह 1,973 रुपये की बड़ी छलांग लगाकर 1,30,569 रुपये पर खुला.

समाचार विशेष

प्रथम पृष्ठ का शेष

विकास के पथ पर अग्रसर एमपी

लेकिन अब केन-बेतवा, पार्वती-कालीसिंध और महाराष्ट्र के साथ रिचार्ज परियोजना अब साकार हो रही है. पानी के लिये तो दक्षिण के राज्यों में हिंसक घटनाएं तक हुई हैं, लेकिन मप्र ने पड़ोसी राज्यों के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में काम को आगे बढ़ाया. अब तो दो राज्यों के बीच की नदी जोड़ों परियोजना ही नहीं प्रदेश के भीतर भी गंभीर और खान नदी को जोड़ने की परियोजना आकार ले रही है. सीएम ने कहा कि पड़ोसी राज्यों के साथ बेहतर संबंध का ही नतीजा है कि नीमच में हाइड्रो स्टोरेज कैपेसिटी प्रोजेक्ट का काम महज दो वर्ष में पूरा हो रहा है, इस काम को पहले चार वर्ष में पूरा किया जाना था, यह इसलिये कि राजस्थान ने मप्र की मांग पर चंबल के पानी के नियंत्रित किया, जिससे प्रोजेक्ट के काम को तेज गति से करने में मदद मिली.

पूरे देश में सबसे सस्ती बिजली मप्र में : डॉ. यादव ने कहा कि पूरे देश में सबसे सस्ती बिजली मप्र में है. मप्र का रेट सबसे लोएस्ट है, इस पर सभी को आश्यर्च भी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृति के संरक्षण के लिये राज्य सरकार काम कर रही है. एक तरफ विक्रमादित्य जेसे महानाट्य का मंचन किया गया और विक्रमोत्सव मनाया गया, वहीं दूसरी तरफ श्रीकृष्ण पाथेय का भी काम चल रहा है. खुले में मांस-मदिरा के विक्रय को प्रतिबंधित किया है तो नशे के कारोबार पर भी कड़ी कार्रवाई की है. इस पर नियंत्रण के लिये समाज की भी बड़ी भूमिका है. एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर मवेशी नहीं आएं, इसके लिये बड़े गौशाला बनाने का काम जारी है. इसलिये हमने प्रति गौवंश के लिये राशि को 20 से बढ़ाकर 40 रुपये कर दिया है.

पीके से क्यों मिलने पहुंचे नरेश मीणा?

नई दिल्ली. हाल ही में अंता उपचुनाव लड़ चुके नरेश मीणा की एक तस्वीर काफी चर्चा में हैं. उन्होंने रणनीतिकार और जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर से मुलाकात की.

खास बात यह भी है कि नरेश मीणा राजस्थान में तीसरा मोर्चा खड़ा करने की कवायद भी शुरू कर चुके हैं. इसके लिए वो आम आदमी पार्टी, आरएलपी और आजाद समाज पार्टी जैसे दलों से संपर्क की कोशिश भी कर रहे हैं.

ऐसे में प्रशांत किशोर के साथ उनकी तस्वीर भी बेहद खास है. इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर भी काफी शेयर किया जा रहा है. नरेश मीणा के समर्थक और कई यूजर्स, इस तस्वीर के अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं. निकाय चुनाव से पहले खास है मुलाकात- प्रशांत किशोर लंबे समय से चुनावी रणनीति के मास्टरमाइंड माने जाते रहे हैं. कई राज्यों में उनकी रणनीति ने राजनीतिक दलों को अभूतपूर्व सफलताएं दिलाई हैं. हालांकि हाल ही में संपन्न हुए बिहार चुनाव में उनका मॉडल प्रभावी नहीं रहा और कोई खास असर नहीं दिखा पाए.

राजद को आईना दिखा मैदान में 'मुखिया दीदी'

रितु जायसवाल की अगली चाल पर सबकी नजर

पटना/सीतामढ़ी. गांव में लड़कियों की पढ़ाई से लेकर स्वच्छता मिशन और स्वच्छ पानी की उपलब्धता तक ये सब सिर्फ योजनाएं नहीं थीं, बल्कि एक सामाजिक बदलाव था. उनके कामों की राष्ट्रीय पहचान बनी और आज से सात साल पहले उन्हें उपराष्ट्रपति के हाथों 'चैंपियंस ऑफ चेंज' पुरस्कार मिला. बाद में वह राजनीति में आगे बढ़ीं और राजद की महिला अध्यक्ष तक बन गईं. लेकिन, पार्टी में मिली उपेक्षा ने उन्हें आहत किया और अब उन्होंने नई पार्टी बनाने की घोषणा कर दी है.

विद्रोही तेवर के साथ राजनीति में आगे अपनी योजनाओं के अनुसार बढ़ेंगी और महिला कल्याण के लिए काम करती रहेंगी.अपने गांव में आज भी 'मुखिया दीदी' के नाम से जानी जाती हैं. हम बात कर रहे हैं राजद की पूर्व महिला अध्यक्ष रितु जायसवाल की.

रितु जायसवाल ने नई पार्टी बनाने की घोषणा की है. इसका ऐलान करते हुए उन्होंने कहा कि वह ऐसी राजनीतिक पार्टी बनाएंगी, जहां महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिले जहां युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिले, जहां टिकटों की खरीद-फरोख्त न होती हो और जहां परिवारवाद के लिए कोई जगह न हो. जाहिर है उनकी भाषा शैली से आप समझ गए होंगे कि तेवर विद्रोही है. ऐसे में जानते हैं कि रितु हैं कौन? 1 मार्च 1977 को वैशाली के हाजीपुर में जन्मीं रितु जायसवाल की राजनीतिक पहचान किसी बड़े घराने से नहीं, बल्कि जमीनी काम से बनीं.

रितु की नई पार्टी और नया एजेंडा

रितु जायसवाल ने घोषणा की है कि वे आने वाले महीनों में बिहार के युवाओं और खासकर महिलाओं से संवाद करेंगी और उनके सुझावों के आधार पर एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने पर विचार करेंगी. उनका एजेंडा स्पष्ट है- महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व, युवाओं को मौका, टिकटों की खरीद-फरोख्त और परिवारवाद से मुक्ति. उनके समर्थक इसे बदलाव की शुरुआत मान रहे हैं; आलोचक इसे राजनीतिक प्रतिक्रिया कह रहे हैं. पर एक बात निश्चित है- मुखिया से नेता बनी रितु जायसवाल अब बिहार की राजनीति में सेंटर स्टेज पर हैं और उनकी अगली चाल राज्य की राजनीति के नक्शे को नया मोड़ दे सकती है.

चुनाव में हार के बाद राजद में सर्जरी

पटना. बिहार चुनाव में मिली करारी हार के बाद राजद अब अपनी संगठनात्मक कमजोरी और आंतरिक कलह पर सर्जिकल स्ट्राइक मोड में दिखाई दे रहा है. पार्टी में बागी रुख अपनाने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं पर जल्द कड़ा एक्शन लेने की तैयारी है.

समीक्षा बैठकों के दौरान प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल को कई जिलों से ऐसे बगियों की लिखित शिकायतें मिली हैं. पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के निर्देश पर दर्जनों नेताओं पर कार्रवाई तय मानी जा रही है.

गत मंगलवार को समीक्षा बैठक के अंतिम दिन पटना प्रमंडल के जिला अध्यक्षों, प्रधान महासचिवों, पूर्व विधायकों, पूर्व सांसदों और प्रमुख पदाधिकारियों ने जमकर अपनी बातें रखीं.

बैठक में कार्यकर्ताओं ने साफ कहा कि तेजस्वी यादव को अपने आवास के दरवाजे कार्यकर्ताओं के लिए पहले की तरह खुला रखना चाहिए. उन्होंने कहा कि जमीनी कार्यकर्ताओं की बात सुनने, समझने और उनके मार्गदर्शन में काम करने से ही पार्टी दोबारा मजबूत खड़ी हो सकती है.

विशेष — विपक्ष के नेता को लेकर मचा बवाल, 10 विधायक नाराज

एक बार फिर टूटेगी उद्धव ठाकरे की पार्टी!

मुंबई. नागपुर में महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है. इस बीच उद्धव ठाकरे की पार्टी पर बड़ा संकट आ गया है. विधानसभा में विपक्ष के नेता पद को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब शिवसेना (यूबीटी) फूट की कगार पर पहुंच गई है.

कोंकण के एक सीनियर नेता इस पद के लिए इच्छुक थे लेकिन मातोश्री द्वारा किसी दूसरे नाम को आगे बढ़ाने के बाद से ठाकरे गुट में एक और फूट की प्रबल संभावना है. नारायण राणे और एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद कोंकण के एक ताकतवर नेता भाजपा में शामिल होने की तैयारी में है.

मंत्री शंभूराज देसाई ने किया दावा- महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले ही उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मंत्री शंभूराज देसाई ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अपने विधायक बेटे आदित्य ठाकरे को विधानसभा में विपक्ष का नेता बनवाने के प्रयास में हैं और उनकी पार्टी की ओर से ऐसा प्रस्ताव आया है.

10 विधायक बीजेपी में जाने की तैयार में- एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद मातोश्री की ताकत कम हो गई थी और कई भरोसेमंद साथियों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ दिया था. ऐसे मुश्किल हालात में भी कोंकण के यह नेता मातोश्री के प्रति वफादार रहे. वे सत्ताधारी पार्टी के हमले से बच गए. इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें विपक्ष के नेता का पद देकर उचित सम्मान मिलेगा. वे इस बात से नाराज हैं कि आदित्य ठाकरे का नाम अचानक इस पोस्ट के लिए आगे बढ़ाया गया है. सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि यह नेता 10 विधायकों के साथ बीजेपी में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं.

दिल्ली में होगा अंतिम फैसला-इस बड़े राजनीतिक फेरबदल पर आखिरी फैसला अब दिल्ली से होने की संभावना है. नागपुर विंटर सेशन के बीच इस साल भी विपक्ष के नेता पद के मुद्दे पर एक बड़े राजनीतिक भूकंप की संभावना है.

शिंदे गुट ने किया विरोध

उद्धव ठाकरे की पार्टी में संभावित फूट के कारण भाजपा और शिवसेना के बीच भी तीखे मतभेद पैदा हो गए हैं. शिंदे गुट असल में इस बात पर जोर दे रहा है कि बीजेपी को ठाकरे के विधायकों को एंट्री नहीं देनी चाहिए. शिंदे गुट ने यह रुख अपनाया है कि अगर पार्टी में एंट्री जरूरी है तो ये विधायक बीजेपी में नहीं बल्कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हों.